

बोर री धणियाणी थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां



बोर री धणियाणी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां,
छुतर थारे आपरे,
मां मोतियो रो जडाव,
मोटवी मइया रो मन्दिर,
प्यारो घणो लागे मां। **lbd।**

पावागढ सूं आई भवानी,
सिणधरी रे मांई जी,
मोडदानजी चारण घर,
लियो अवतार जी,
बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां। **lbd।**

जग मग जागे ज्योत,
माता बोर रे मन्दिर मांई जी,
मेवा मिश्री रा भोग लगावे,
चरणा शीश निमावे मां,
बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां। **lbd।**

हाथा रे मेहंदी राचणी मां,
चुडले रो सिणगार जी,
बिछिया रो झणकार माता,
रिमझिम करता आओ जी,
बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां। **lbd।**

माथे मुकुट आपरे माँ,
हृद सोवे ओ माता,
खांडो लियो हाथ माता,
सिंह चढी असवारी माता,
बोर री धनियानी,

थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां। **lbd।**

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



पूनम रो थारे मेलो भरीजे,
आवे नर और नार जी,
हिरोणी जाणियो री,
कुळ देवी मोटवी मां,
बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां।

रणछोड जाणी री अर्ज वीणती,
चरणा शीश निमावे मां,
खेतदान जी चारण पूजे,
दिन रात जी,
बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां।

रमेश सारण महिमा बणावे,
चरणा शीश निमावे जी,
रमेश सारण महिमा गावे,
हेले हाजिर आओ मां,
बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां।

बोर री धनियानी,
थारो देवरो हिरा जड्यो ए मां,
छतर थारे आपरे,
मां मोतियो रो जडाव,
मोटवी मइया रो मन्दिर,
प्यारो घणो लागे मां।

गायक / प्रेषक – लोक गायक रमेश सारण ।
बाडमेर, M. 9571547445